

СОДЕРЖАНИЕ

| | |
|---|-----|
| Перечень принятых сокращений и условных обозначений | 4 |
| От автора | 5 |
| Предисловие | 7 |
| Часть I. УЧАСТНИКИ СРАЖЕНИЯ | 9 |
| Командир «Варяга» | 9 |
| Командир «Корейца» | 12 |
| Крейсер 1 ранга «Варяг» | 14 |
| Мореходная канонерская лодка «Кореец» | 24 |
| Корабли международной эскадры | 31 |
| Командующий японской эскадрой С.Уриу | 33 |
| Много врагов — много чести | 33 |
| Рейд Чемульпо | 41 |
| Были ли варианты? | 43 |
| Наверх Вы, товарищи все по местам... .. | 46 |
| Бой | 47 |
| Были ли повреждения кораблей эскадры С.Уриу? | 57 |
| Часть II. УЧАСТНИКИ ПОХОДА | 66 |
| Отряд боевых кораблей Тихоокеанского флота | 66 |
| Флагманский ГВРКР «Варяг» | 66 |
| Большой противолодочный корабль «Адмирал Трибуц» | 71 |
| Малый противолодочный корабль «Кореец» | 74 |
| Часть III. ПУТЕВЫЕ ЗАМЕТКИ | 77 |
| Долгие проводы — долгие слезы | 77 |
| Тайфун | 80 |
| Неласковое Японское море | 82 |
| Корабельные будни | 87 |
| Врата Цусимы | 89 |
| Вокруг Кореи | 93 |
| В день столетия на якоре у побережья Кореи | 95 |
| На рейде Чемульпо сто лет спустя | 97 |
| Страна утренней свежести | 105 |
| Корея помнит наших героев | 110 |
| Будни визита | 115 |
| Никому не дано знать, что нас ждет завтра | 117 |
| Учения на рейде | 121 |
| Дорога домой | 123 |
| ПОСЛЕСЛОВИЕ | 128 |
| ПРИЛОЖЕНИЯ | 130 |